

---

## Dadhichiprotam Ambikamahimopadesham 2

दधीचिप्रोक्तं अम्बिकामहिमोपदेशम् २

### Document Information

---

Text title : Dadhichiprotam Ambikamahimopadesham 2

File name : ambikAmahimopadesham2dadhIchiprotam.itx

Category : devii, shivarahasya, upadesha, advice, devI

Location : doc\_devii

Transliterated by : Ruma Dewan

Proofread by : Ruma Dewan

Description/comments : shrIshivarahasyam | ugrAkhyah saptamAMshaH | adhyAyaH 14 | 295-306||

Latest update : May 3, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

May 3, 2024

*sanskritdocuments.org*

---

दधीचिप्रोक्तं अम्बिकामहिमोपदेशम् २



सडस्रेणपि शिरसां शेषो यत्पादञ् रञ् ।  
वडत्यन्वडभुग्राङ्गः सेयं भगवती शिवा ॥ २८५ ॥

धन्द्रोडपि यत्प्रसादेन वृत्रं डत्वा मडासुरम् ।  
स्वर्गाधिपत्यं सम्प्राप सेयं भगवती शिवा ॥ २८६ ॥

यत्पादपद्मनिशं ध्यात्वा सम्पूज्य सादरम् ।  
विष्णुर्विष्णुत्वमापन्नः सेयं भगवती शिवा ॥ २८७ ॥

यत्पादपद्मनिशं ध्यात्वा सम्पूज्य सादरम् ।  
ब्रह्मा ब्रह्मत्वमापन्नः सेयं भगवती शिवा ॥ २८८ ॥

यत्पादपद्मनिशं ध्यात्वा सम्पूज्य सादरम् ।  
धशोडपीशत्वमापन्नः सेयं भगवती शिवा ॥ २८९ ॥

यत्पादपद्मनिशं ध्यात्वा सम्पूज्य सादरम् ।  
धन्द्रोडपीन्द्रत्वमापन्नः सेयं भगवती शिवा ॥ ३०० ॥

यत्पादपद्मनिशं ध्यात्वा सम्पूज्य सादरम् ।  
सूर्यः सूर्यत्वमापन्नः सेयं भगवती शिवा ॥ ३०१ ॥

यत्पादपद्मनिशं ध्यात्वा सम्पूज्य सादरम् ।  
यन्द्रश्चन्द्रत्वमापन्नः सेयं भगवती शिवा ॥ ३०२ ॥

यत्पादपद्मनिशं ध्यात्वा सम्पूज्य सादरम् ।  
वह्निर्वह्नित्वमापन्नः सेयं भगवती शिवा ॥ ३०३ ॥

यत्पादपद्मनिशं ध्यात्वा सम्पूज्य सादरम् ।  
वायुर्वायुत्वमापन्नः सेयं भगवती शिवा ॥ ३०४ ॥

यत्पादपद्मनिशं ध्यात्वा सम्पूज्य सादरम् ।  
यमो यमत्वमापन्नः सेयं भगवती शिवा ॥ ३०५ ॥

यत्पादपद्मनिशं ध्यात्वा सम्पूज्य सादरम् ।

पाशी पाशित्वमापन्नः सेयं भगवती शिवा ॥ ३०६ ॥

॥ इति शिवरुद्रस्यान्तर्गते दधीचिप्रोक्तं अम्बिकामहिमोपदेशं २ सम्पूर्णात् ॥

- ॥ श्रीशिवरुद्रस्यम् उग्राख्यः सप्तमांशः । अध्यायः १४ । २८५-३०६ ॥


- .. shrIshivarahasyam ugrAkhyah saptamAMshaH . adhyAyaH 14 . 295-306 ..


Notes:

Rṣi Dadhīci ऋषि दधीचि renders Upadeśa उपदेश to Dakṣa दक्ष about the Stature of Ambikā अम्बिका who has arrived at the site of the Yajña यज्ञ when Dakṣa दक्ष chooses to not welcome Her.

Encoded and proofread by Ruma Dewan

---

——  
*Dadhichiproktam Ambikamahimopadesham 2*  
pdf was typeset on May 3, 2024

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

